

DPN 5586

Title: वाहिनी स्तोत्र / VĀHINI STOTRA

Run. No. 6277

Cat. No.

Micro. No.

Subject स्तोत्र Hymn

Religion: Hindu / Bauddha

Language: Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 11.5 x 6

Folios 9

Lines (in a page) 6

Compl. / Incompl.

Extant folios (10-18)

Chapt. / act /

Extant verses 42-89

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script: New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus.:

Material: palmleaf / paper / thyasaphu / one side yellow

Condition: fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon:

centimeter

5

10

15

20

५
१०
यथा च उर्ध्वं न युदायिनी ॥ ४२ ॥ अथ रुद्र
धामा माता अवर्त्तमाना नृपिता अका वादि
ति नृपाय अनहन्ती अहं नृवा ॥ ४३ ॥ अका
वमृश्वसं हता अवर्त्तमाना मन्त्रयत् ॥ ४४ ॥ अका
वमृश्वानं का ॥ ४५ ॥ अका वादि निहा ॥ ४६ ॥
कायं का वनृपाय अका वा मदनो हं वा अका

७

॥ ७५ ॥

लाक्षवाकलायुया कोमदीकावरेवदी।
 कमलाकामिनीकाली कुलकाकुसुमसिंहा
 ॥ ७५ ॥ कलावती कलासाया कलासका
 कलानिधि। कामाद्याकुलकाकाट कामका
 कामवाविती ॥ ७५ ॥ कामधनुः कर्णसीत
 कालिंदी कुरुलक्ष्मी कालिका याद काली

११

७

सु। अतुकाकूटवासिनी ॥ ७६ ॥ कलावती
 कर्णमोनी कालिका कलासाया कामका
 कीटकाकाली कालिका कामसुखी ॥ ७७ ॥
 कामाला कामयुयाउ कर्णसीत दवता
 कालिंदी कलाकाया कलावी कामसुख
 ॥ ७८ ॥ कालासी कालिंता काली काला

०

Centimeter 5 10 15 20

२ बा० स० ॥

जीवकोशिका। कामा सुनकनदाय कृतध
 र्मकविनी॥ जेह नरनरा नरकयासका
 श्वा न सुसमर्थिता। काक के शीतलीलाद्या १२
 कथा नृपतिगण ॥ रविगणवीर्य
 नृपार खगेलुवाहे सीखेना। खवलीख

[illegible]

centimeter

5

10

15

20

10

१०० म०

सविता। गतनीयागनाभका गमुनीव
 बोहिनी ॥३१॥ गनेमागाचमक्षनी गग
 लमलिरुषता। गमनीगगलतनी गि
 निजागिनिपिया ॥३२॥ गगत्रिताचम
 मयणी गिनिस्कागिनिस्कागिनिगुकी गनु
 उस्काय गमक क्षत्रिव गेतेनी ॥३३॥ घ

१३

७

नरुकिषियाधीना यनामनयसविता ॥
 घनात्रिभविताधाना धानायाधानवसु
 स्त ॥३४॥ घनधोघनधानासा घनधो
 धोघविनासि ॥ ३५॥ धीवृषिनात्रयावृषिना
 घनसुनाघनाधाना धावताघनकु
 विता ॥३६॥ धधधीधोवधोत्र धावकिरु

मा १

0

Centimeter 5 10 15 20

७१

॥ ७१ ॥

सिधपायैतिनी ॥ अथमात्रावाहाय चरुधनी
 चरुधनी ॥ ७२ ॥ अथमात्रावाहाय चरुधनी
 चरुधनी ॥ ७३ ॥ अथमात्रावाहाय चरुधनी
 चरुधनी ॥ ७४ ॥ अथमात्रावाहाय चरुधनी
 चरुधनी ॥ ७५ ॥ अथमात्रावाहाय चरुधनी

७४

७२

अथमात्रावाहाय चरुधनी ॥ ७६ ॥ अथमात्रावाहाय चरुधनी
 अथमात्रावाहाय चरुधनी ॥ ७७ ॥ अथमात्रावाहाय चरुधनी
 अथमात्रावाहाय चरुधनी ॥ ७८ ॥ अथमात्रावाहाय चरुधनी
 अथमात्रावाहाय चरुधनी ॥ ७९ ॥ अथमात्रावाहाय चरुधनी
 अथमात्रावाहाय चरुधनी ॥ ८० ॥ अथमात्रावाहाय चरुधनी

७३

Centimeter 5 10 15 20

७

॥ ११ ॥

हिं न सं ग या ॥ ११ ॥ उ ग द न न दि नि का सा जा
 म ब र्ण वि ता जि ता उ ग द्रि या जि ता ॥ १२ ॥ जा क वी ज्ञान की
 ग द्दी मा जि ता हि मा ॥ १२ ॥ जा क वी ज्ञान की
 जा या उ न नी उ न न दि नी उ ग द्रि या उ ग
 मा या उ न रु मा क रा जि ता ॥ १३ ॥ उ ग द
 पू र्ण ग द्दी वा जा त वं दा य मा जि ता उ ग नू

॥ १३ ॥

७

हिं उ ग मा या उ न स्वा क र्त्रि वा सि नी ॥ १४ ॥
 का नू न क य वा दा य उ या व वि रु यो रु या उ
 ग द्दी वे म या जि ता उ य की उ ग द्रि ता ॥ १५ ॥
 जी व ध्व नी उ नै र्ध्व नी जी व र्णी उ न का वि ती
 अ क र्ण नी मु का ना ला अ का नू स न वा हि नी ॥
 ॥ १६ ॥ अ न न नि य ता की व अ क र्ण नी र्ध्व नी

०

२५१-सू॥

स्था. निधनाद्यसटकिनी ॥ पी० १० ॥ धनीवः
 पी० १० ॥ पी० १० ॥ धनीवः ॥ १० ॥
 जकिनी ॥ मन्त्रहासा ॥ उका ॥ यमवनादिनी
 ॥ १० ॥ ॥ १० ॥ ॥ १० ॥ ॥ १० ॥
 ॥ १० ॥ ॥ १० ॥ ॥ १० ॥ ॥ १० ॥
 ॥ १० ॥ ॥ १० ॥ ॥ १० ॥ ॥ १० ॥

centimeter

5

10

15

20

७

७

०

centimeter

5

10

15

20

१०००

॥ लिखा का साहि सा क का लिखा का तीर्थन
दिनी। ता ते किनी व का ता राणि
सुख विनी ॥ ८८ ॥ लिखा का व नी ता का
शु क ना र लि क्षि निनी। तीर्थ व शा ल स ली थी
तीर्थ वा क्की व तीर्थ दा ॥ ८९ ॥ तीर्थ आ वा
प क्क वा च तीर्थ आ तीर्थ वा हिनी। ता क्क

१८